No. ५५०१ घ

Title श्री शिव आरती स्तुतिः

Author +

Extent ४

Subject स्तुतिः

नं० ५५०१ — च

शिवस्मारती

पत्राणि ४ (चत्वारि)

नं. १०१०

ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ जै य शिव ॐकारा

हर शिव ॐकारा ॥ ब्रह्मा विस्नु सदाशिव अर्धंगी गौरा ॥ ॐ हर हर हर महादेव ॥ १ ॥ एकानन चतुरानन पंचानन राजे शिव पंचानन रा

नं० १०१०-क
शिवआरती
स्तुति

शि
१

जे॥ हेमासनगरुडासनवृषभाह
नमाजे॥ ॐ हरहरहरमहादेव॥२॥
हिमजचारवतभंजदहमजता
मसोहै॥ तीनोपकहरूपात्रिभव
नजगमोहे॥ ॐ हरहरहरमहा

देव ॥ ३ ॥ अब्दमालावनमालाहे
डमालाधारीशिवहेडमालाधा
रीचंदनमृगमदलेपितमालीशि
शपाणि ॥ ॐ हराहरहरमहादेव ॥ ४
कारमध्येकारमंडलचक्रत्रिस्थल

श्री यर्ताशिवचक्रत्रिशूलयर्तीजग
२ कर्तीजगयर्तीजगनिरैयर्ती॥ ओं
हरहरहरमहादेव॥५॥ श्वेतांबर
पीतांबरभागंबरस्त्रंगीशिवभा
गंबरस्त्रंगे॥ सनकादिकइंद्रापि

कमृतादिकसंगे ॥ ओं हर हर हर
महादेव ॥ ८ ॥ तीनोपकसरूपाअं
तरत्नाकरमें ॥ शिवअंतरत्नाकर
में ॥ मनमांगतफलपावत ॥ भव
सागरतरमें ॥ ओं हर हर हर महा

गा
१
3

देव ॥ ७ ॥ लक्ष्मीवरमायश्रीवरपा
र्वतीसंगे हे शिवपार्वतीसंगे ॥ ह
रहरडौरैं त्र्यंबकशिवगौरीश्रंगे
ॐहरहरहरमहादेव ॥ ८ ॥ काशी
मेपकनंदाज्ञलवाणिशिवपक

नेदा ब्रह्मचारी ॥ प्रतिदिन भोगा-
लगावत महिमा अधिकारी ॐ
हर हर हर महादेव ॥९॥ शिवजी-
की आरती जो कोई नित पर ॐ ह
गावे शिव नित पर उठ गावे ॥ भज

११५

श
ष

नशिवानंदसामीमनइछाफल
पावे ॥ ॐहरहरहरमहादेव ॥१०॥
इतिश्रीशिवआरतिसमाप्तम ॥

